अध्याय-9

सामाजिक नियंत्रण

(Social Control)

नियंत्रण समाज में प्रारंभिक अवस्था से ही विद्यमान रहा है। ऐसा कभी नहीं रहा कि मानव नियंत्रण से मुक्त रहा है। नियंत्रण के द्वारा ही सामाजिक व्यवस्था का स्थायित्व बना रहता है। नियंत्रण की महत्ता **लैण्डिस** के इस कथन से स्पष्ट होता है कि **'मानव नियंत्रण के कारण ही मानव हैं।'** वैसे तो सामाजिक नियंत्रण समाज की प्रारंभिक अवस्था से विद्यमान रहा है, लेकिन इसका व्यवस्थित उल्लेख अमेरिकन समाजशास्त्री **ई0ए0रॉस** द्वारा 1901 ई0 में प्रकाशित पुस्तक **'The Social control'*** में किया गया, जिसकी प्रमाणिकता 1902 ई0 में **चार्ल्स कूले** द्वारा प्रकाशित पुस्तक **'Human Nature and the Social order'*** द्वारा सिद्ध हुई। अतः **ई0ए0रॉस** को सामाजिक नियंत्रण का जनक माना जाता है।

● **ई0ए0रॉस** के अनुसार-"सामाजिक नियंत्रण का तात्पर्य उन शक्तियों से है जिसके द्वारा समुदाय व्यक्ति को अपने अनुरूप बनाता है।"

● **पी0एच0 लैण्डिस** (Social Control, 1951)- "सामाजिक नियंत्रण एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा सामाजिक व्यवस्था स्थापित की जाती है और बनाए रखी जाती है।"

● **पारसंस** के शब्दों में, "सामाजिक नियंत्रण वह सामान्य प्रक्रिया है जिसके द्वारा अपेक्षित व्यवहार और किए गये व्यवहार में अंतर को कम-से-कम किया जाता है।"

● **पारसंस** के ही शब्दों में, "विपथगामी प्रवृत्तियों की कली को फूल बनने से पहले ही कुचल देना सामाजिक नियंत्रण है।"*

● **व्हिलर** के अनुसार-"अनेक व्यक्तियों के हितों के लिए कुछ व्यक्तियों द्वारा नियमन करना ही सामाजिक नियंत्रण है,।"

● **लेपियर** लिखते हैं कि-"सामाजिक नियंत्रण अपर्याप्त समाजीकरण का प्रतिकारक है।"

● **ऑगबर्न व निमकॉफ** (Handbook of Sociology)-"दबाव के ऐसे प्रतिमान (विधि) जिनके द्वारा कोई समाज अपनी सामाजिक व्यवस्था और स्थापित नियमों की सुरक्षा करना चाहता है, सामाजिक नियंत्रण के अंतर्गत आता है।"

● **गुरविच एवं मूर** के अनुसार -" सामाजिक नियंत्रण का संबंध उन सभी प्रक्रियाओं और प्रयत्नों से है जिनके द्वारा समूह अपने तनावों और संघर्षों पर नियंत्रण रखता है और इस प्रकार रचनात्मक कार्यों की ओर बढ़ता है।"

● **ब्रियरली** के अनुसार -"सामाजिक नियंत्रण नियोजित अथवा अनियोजित प्रक्रियाओं और अभिकरणों के लिए एक सामूहिक शब्द हैं, जिसके द्वारा व्यक्तियों को यह सिखाया जाता है, उनसे आग्रह किया जाता है अथवा बाध्य किया जाता है कि वे अपने समूह की रीतियों तथा सामाजिक मूल्यों के अनुसार कार्य करें।"*

● **किंग्सले डेविस-:** "समाज का निर्माण ही सामाजिक संबंधों एवं नियंत्रण की व्यवस्था द्वारा होता है। एक की अनुपस्थिति में दूसरे का अस्तित्व कदापि सुरक्षित नहीं रह सकता है।"

● **फिचर** कहते हैं कि, " सामाजिक नियंत्रण समाजीकरण का ही विस्तार है।"

● **गिलिन व गिलिन** के अनुसार-"सामाजिक नियंत्रण सुझाव, अनुनय, प्रतिशोध, उत्पीड़न तथा बल-प्रयोग जैसे साधनों की वह व्यवस्था है जिसके द्वारा समाज किसी समूह के व्यवहार को मान्यता प्राप्त प्रतिमानों के अनुरूप बनाता है अथवा जिसके द्वारा समूह सभी सदस्यों को अपने अनुरूप बना लेता है।"

● **मैकाइवर व पेज**-"सामाजिक नियंत्रण का अर्थ उस तरीके से है जिससे संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था की एकता और उसका स्थायित्व बना रहता है। इसके द्वारा यह समस्त व्यवस्था एक

*विविध प्रारंभिक परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर के संकेतक

Scanned with CamScanner

परिवर्तनशील संतुलन के रूप में क्रियाशील रहती है।''

अतः स्पष्ट है कि सामाजिक नियंत्रण द्वारा सामाजिक एकता व व्यवस्था को बनाए रखने के लिए लोगों के व्यवहार का नियमन किया जाता है। सामाजिक नियंत्रण तीन स्तरों पर होता है-

(i) समूह का समूह पर नियंत्रण
(ii) समूह का व्यक्तियों पर नियंत्रण, तथा
(iii) व्यक्तियों का व्यक्तियों पर नियंत्रण।

महत्व/कार्य
• सामाजिक एकता स्थापित करना • परंपराओं की रक्षा करना • सामाजिक सुरक्षा • सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करना। • व्यक्तिगत व्यवहार पर नियंत्रण • सहयोग
दुष्प्रकार्य
• शोषण • सुधार एवं परिवर्तन में बाधा • मनोवैज्ञानिक दबाव • सामाजिक तनाव

सामाजिक नियंत्रण के प्रकार (Types of Social control)

(1) **चार्ल्स कूले एवं बर्नार्ड,** सामाजिक नियंत्रण के दो भेद बताते हैं-

(क) चेतन नियंत्रण (Conscious Control), जब नियंत्रण करते समय उसकी उपयोगिता व लाभों को ध्यान में रखा जाता है, चेतन नियंत्रण कहलाता है। उदाहरणस्वरूप, जाति व्यवस्था में खान-पान, छुआछूत और विवाह के नियमों का पालन चेतन नियंत्रण का उदाहरण है। वर्तमान समय में चेतन नियंत्रण का महत्व बढ़ रहा है।

(ख) अचेतन नियंत्रण (Unconscious Control):- परंपराओं, संस्कारों एवं धार्मिक विश्वासों द्वारा नियंत्रण अचेतन नियंत्रण है।

(2) **कार्ल मैनहीम** दो प्रकार के नियंत्रण की बात करते हैं।

(क) प्रत्यक्ष नियंत्रण (Direct control):- यह नियंत्रण व्यक्ति के निकटस्थ लोगों द्वारा लागू किया जाता है जैसे-माता, पिता, मित्रों, गुरुजनों अथवा पड़ोसियों द्वारा किया जाने वाला नियंत्रण। इसका प्रभाव गहरा व स्थायी होता है।

(ख) अप्रत्यक्ष नियंत्रण (Indirect Control):- सामाजिक व भौतिक पर्यावरण तथा विभिन्न समूहों एवं संस्थाओं द्वारा किया जाने वाला नियंत्रण। यह अत्यधिक सूक्ष्म व छोटे-छोटे व्यवहारों को नियंत्रित करने वाला होता है। अप्रत्यक्ष नियंत्रण में तक एवं सामूहिक कल्याण को अधिक महत्व दिया जाता है।

(3) **किम्बाल यंग** (Handbook of Social psychology, 1954) दो प्रकार के नियंत्रण का उल्लेख करते हैं-

(क) सकारात्मक नियंत्रण (Positive control):- पुरस्कार देकर सही व्यवहार करने को प्रेरित किया जाता है। पुरस्कार, शाबासी, प्रशंसा, धन्यवाद, वीरचक्र, महावीरचक्र, पद्मविभूषण, पद्म भूषण आदि इसीप्रकार के नियंत्रण हैं।

(ख) नकारात्मक नियंत्रण (Negative Control):- दण्ड द्वारा सही व्यवहार करने के लिए बाध्य किया जाता हैं। दण्ड, उपहास, व्यंग्य, आलोचना, बहिष्कार, जेल, जुर्माना, और मृत्युदण्ड इसी प्रकार के नियंत्रण हैं।

(4) **गुरविच एवं मूर** (Twentieth Century of Sociology, 1945):- नियंत्रण के तीन प्रकार बताते हैं-

(क) संगठित नियंत्रण (Organized Control)— द्वितीयक संस्थाओं द्वारा नियंत्रण जैसे, राज्य, कानून, शिक्षा आदि।

(ख) असंगठित नियंत्रण (Unorganized Control):- प्राथमिक संस्थाओं द्वारा नियंत्रण, जैसे-परिवार, पड़ोस, मित्र-मण्डली द्वारा नियंत्रण।

(ग) सहज नियंत्रण (Automatic Control)— व्यक्ति स्वतः नियंत्रित हो जाता है।

(5) **लेपियर** (Theory of Social control)— दो प्रकार के नियंत्रण बताते हैं:-

(क) सत्तावादी नियंत्रण (Autocratic control):- जब किसी निरंकुश या तानाशाह शासक

Scanned with CamScanner

द्वारा नियंत्रण किया जाता है।

(ख) **लोकतांत्रिक नियंत्रण** (Democratic Control):- जब किसी लोकप्रिय चुनी हुई सरकार द्वारा नियंत्रण किया जाता है।

(6) **बोगार्डस /बीरस्टीड** दो प्रकार बताते हैं—

(क) औपचारिक नियंत्रण (Formal Control)

(ख) अनौपचारिक नियंत्रण (Imformal control)

(7) **वेस्टरमार्क** भी दो प्रकार का उल्लेख करते

(क) आग्रहपरक नियंत्रण

(ख) बाध्यतापरक नियंत्रण

(8) **गिडिंग्स** ने नियंत्रण के दो भेदों का उल्लेख किया है:-

(क) पुरस्कार अभिमुख नियंत्रण,

(ख) दण्डाभिमुख नियंत्रण।

(9) **फिचर** दो प्रकार बताते हैं—

(क) समूह संबंधी नियंत्रण,

(ख) संस्था संबंधी नियंत्रण

(10) **एस0एस0 बर्नार्ड** 2 भेद बताते हैं:

(क) संवेदनशील नियंत्रण

(ख) असंवेदनशील नियंत्रण

(11) **ई0सी0हेज**, दो प्रकार बताते हैं:-

(क) पुरस्कार एवं दण्ड

(ख) अभिमति एवं अनुकरण

(12) **जे0एच0फिक्टर** के 3 भागों में विभाजित करते हैं:-

(क) सकारात्मक एवं नकारात्मक नियंत्रण

(ख) औपचारिक एवं अनौपचारिक नियंत्रण

(ग) सामूहिक एवं संस्थागत नियंत्रण

सामाजिक नियंत्रण के साधन एवं

Scanned with CamScanner